● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 मुख्यमंत्री ने नेहरू पथ को जोड़ने वाले अंडरपास का लिया जायजा

04 दुर्गा पूजा को लेकर पालनावा पुलिस ने की शांति समिति की बैठक

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 18 अक्टूबर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 256

समलैंगिक शादियों को मान्यता देने से इनकार

स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास

केंद्र सरकार को एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ भेदभाव रोकने के निर्देश

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। समलैंगिक विवाह पर चार जजों सीजेआई, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने बंटा हुआ फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समलैंगिक साथ रह सकते हैं, लेकिन विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है, इसलिए केंद्र सरकार को एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ भेदभाव रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया।

इस मामले पर फैसला सुनाते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि समलैंगिक जोड़े को भी सामान्य लोगों की तरह उनको उनका अधिकार मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह तर्क सही नहीं है कि समलैंगिक कपल्स बेहतर पैरेंट नहीं हो सकते। इसी कोई स्टडी नहीं है कि सामान्य कपल बेहतर पैरेंट होते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि समलैंगिक कपल्स को विवाह करने का अधिकार है। समलैंगिक कपल को भी बच्चा गोद लेने का अधिकार है। चीफ जस्टिस ने कहा कि समलैंगिकता सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में कृषि कार्य में काम करने वाली एक महिला भी समलैंगिक हो सकती है।

चीफ जस्टिस ने कहा कि ये कहना कि विवाह की संस्था स्थिर और अपरिवर्तनीय है, सही नहीं है। विवाह की व्यवस्था में कानून के द्वारा बदलाव किया गया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है। कोर्ट को संसद के अधिकार क्षेत्र में दखल देने में सावधानी बरतनी चाहिए। संविधान बेंच के सदस्य जस्टिस संजय किशन कौल ने चीफ जस्टिस के फैसले पर अपनी सहमति जताई। जस्टिस एस रविंद्र भट्ट ने चीफ जस्टिस के फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि समलैंगिक जोड़े को बच्चा गोद लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने समलैंगिक विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने कहा, "मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह की अनुमति नहीं दी है।" अग्रवाल ने कहा कि कुछ लोग भारतीय संस्कृति की व्यवस्था के खिलाफ काम करना चाहते थे। समलैंगिक विवाह भारत में प्रचलित हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। भारत संस्कृति अलग है। कानून बनाने का काम देश की निर्वाचित संसद का कर्तव्य है।

झारखंड के लोटवा डैम में डूबे छह लड़के, दो के शव मिले, चार की तलाश

हजारीबाग (झारखंड)। हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल पार्क के सालपर्ण जंगल से सटे लोटवा डैम में छह लड़के डूब गए। इसमें से दो लड़कों के शव मिले हैं जबकि चार की तलाश हो रही है। बताया गया है कि सभी लड़के हजारीबाग शहर से लोटवा डैम घूमने आये थे और डैम में नहाने के लिए उतरे थे। इस दौरान यह हादसा हुआ। सभी लड़के माउंट एग्माउंट स्कूल में 12वीं कक्षा के विद्यार्थी थे। इनमें ओकनी के रजनीश पांडे, सुमित कुमार, मटवारी के मयंक सिंह, दिपूगढा के प्रवीण गोप, पीटीसी चौक के ईशान सिंह और मटवारी गांधी मैदान के शिवसागर हैं। घटना की सूचना मिलते ही इचाक पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और बच्चों की तलाश शुरू की।

साबुन फैक्टरी में भीषण विस्फोट, चार की मौत, आसपास के मकान भी धराशायी

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में आज सुबह लोहिया नगर थाना क्षेत्र में सत्यकाम इंटरनेशनल स्कूल के पास एक मकान में चल रही साबुन बनाने की फैक्टरी की छत भरभरा कर गिर गई। इसका मलबा हटाते समय भीषण विस्फोट हो गया। इस दौरान चार लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। इस समय राहत और बचाव कार्य चला रहा है। एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। यह मकान संजय गुप्ता का है। आलोक गुप्ता और गौरव गुप्ता मकान के किरायेदार हैं। इस मकान में साबुन बनाने की फैक्टरी चल रही थी। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास के दो-तीन मकान धराशायी हो गए। स्कूल की इमारत के शीशे भी टूट गए।

सूचना मिलते ही जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। मलबे में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। इस तेज धमाके से 33 केवी की विद्युत लाइन के खंभे भी टूट गए। गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिलाधिकारी दीपक मीणा का कहना है कि मृतकों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। ये सभी फैक्टरी में काम करने वाले मजदूर हो सकते हैं। बताया गया कि रिहायशी इलाके में यह फैक्टरी पिछले छह वर्ष से चल रही थी। रेस्क्यू के दौरान इमारत का बाकी हिस्सा भी भरभराकर ढह गया। इससे एक जेसीबी चालक घायल हो गया। यह तो अच्छा है कि सत्यकाम स्कूल में बच्चे नहीं आए थे। अगर स्कूल में बच्चे होते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

एसएसपी रोहित सिंह सजवाण का कहना है अभी तक जानकारी में आया है कि साबुन में इस्तेमाल करने वाले किसी केमिकल से विस्फोट हुआ है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आरोप कांग्रेस नेता ने लगाए भाजपा पर कई आरोप

मिजोरम में घुसना चाह रही भाजपा-आरएसएस: राहुल गांधी

आइजोल। कांग्रेस नेता एवं सांसद रहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के कंधे पर सवार होकर राज्य में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। राहुल ने कहा कि भाजपा के लिए मतदान का अर्थ है, भाजपा (ज़ोरामथांगा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी) या जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के लिए मतदान। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा को पता है कि एमएनएफ या जेडपीएम, यदि इनमें से कोई भी समूह मिज़ोरम में सत्ता में बैठता है, तो राज्य में अपना काम करना आसान होगा।

राहुल गांधी ने राज्य के लोगों को समझाने

की कोशिश की है कि भाजपा लंबी योजनाओं पर काम करती है। राज्य में यदि एमएनएफ या जेडपीएम जीतता है तो भाजपा बहुत खुश होगी। नरेन्द्र-अमित शाह की पार्टी आपकी संस्कृति, आपके धर्म, आपकी परंपरा पर आक्रमण करना जारी रखेगी।

राहुल गांधी राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार अभियान पर थे। राहुल मंगलवार को एक स्कूटर से पूर्व मिजोरम के मुख्यमंत्री लाल थाहावाला के निवास पर पहुंचे। कांग्रेस ने इस साल के विधानसभा चुनाव में पांच बार के मुख्यमंत्री लाल थान्वाला को टिकट नहीं दिया।

चुनाव में सेना का राजनीतिक इस्तेमाल उचित नहीं : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनाव में सेना का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद मोदी सरकार ने सेना को देशभर में 822 ऐसे सेल्फी प्वाइंट लगाने को कहा है, जो सरकारी योजनाओं का प्रचार करें। ऐसा करना उचित नहीं है।

खड़गे ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि इन झांकियों में सैनिकों के पराक्रम की गाथा की बजाय प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर है और उनकी योजनाओं का गुणगान है। राष्ट्र की सुरक्षा करने वाले हमारी भारतीय सेना के वीर जवानों की लोकप्रियता को भुनाकर मोदी सरकार स्वयं का प्रचार करवा रही है।

खड़गे ने कहा कि चुनाव में सेना का

राजनीतिक इस्तेमाल करके मोदी सरकार ने वो किया है जो 75 सालों में कभी नहीं हुआ है। भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बेहद गर्व है। राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने वाली भाजपा ने भारतीय सेना की गरिमा को चोट पहुंचाई है।

मुख्यमंत्री ने नेहरू पथ को जोड़ने वाले अंडरपास का लिया जायजा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पंत भवन, नेहरू पथ स्थित लोहिया पथ चक्र फेज-1 का फीता काटकर मंगलवार को लोकार्पण किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने आज शुरू किये गये विश्वेश्वरैया भवन, नेहरू पथ यू-टर्न अंडरपास और दारोगा राय पथ से नेहरू पथ को जोड़ने वाले अंडरपास का जायजा लिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोहिया पथ चक्र के शेष निर्माणाधीन कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि काम बेहतर ढंग से हो, इसका विशेष रूप से ध्यान

रखते हुए काम में तेजी लाएं ताकि लोगों को आवागमन में और अधिक सहूलियत मिल सके।

उन्होंने कहा कि जब लोहिया पथ चक्र पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो जायेगा तो वाहनों का परिचालन और अधिक सुगम होगा। बोरिंग

अच्छे कार्यों की आलोचना करना भाजपा की नीति: लेसी सिंह

पटना। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि जातीय गणना को बिहार सहित पूरे देशभर के लोगो ने सराहा है और इसकी मांग अब सभी राज्यों में होने लगी है। जदयू कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद भाजपा के आरोपों पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकृत मानसिकता से ग्रसित है। राज्य सरकार के हर अच्छे कार्यों की आलोचना करना भाजपा की नीति बन चुका है। इसलिए उनकी बातों को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है।

मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि जातीय गणना के माध्यम से तमाम जातियों की आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक स्थिति की जानकारी बिहार सरकार को प्राप्त हो गयी है, जिसके आधार पर विकास की मुख्यधारा से पीछे छूट चुके समाज के लिए बेहतर कार्ययोजनाओं का निर्माण करने में सरकार को मदद मिलेगी।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खां ने महागठबंधन में दरार की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा के लोग केवल भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार में महागठबंधन पूरी तरह से एकजुट और मजबूत है। आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश के सभी चालीस सीटो पर हम भाजपा को परास्त करेंगे।

बीपीएससी शिक्षक बहाली में हिन्दी विषय का रिजल्ट जारी, 525 अभ्यर्थी सफल

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने मंगलवार को उच्च माध्यमिक के लिए हिंदी विषय के शिक्षकों का रिजल्ट जारी किया है, जिसमें कुल 525 अभ्यर्थियों को सफलता मिली है। हिन्दी विषय का रिजल्ट सबसे पहले जारी किया गया है। हिंदी विषय के 3232 पद में से 525 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। सभी विषयों का रिजल्ट अपलोड किया जा रहा है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट bpsc.bih.nic.in पर देखा जा सकता है। BPSC Teacher Recruitment Examination Result पर क्लिक करने के बाद अपना रजिस्ट्रेशन नंबर, पासवर्ड, कैप्चा डालना होगा, जिसके बाद आप रिजल्ट देख सकेंगे।

टैक्स कलेक्टर के साथ टैक्स फैसिलिटेटर भी बनें वाणिज्यकर अधिकारी: विजय चौधरी

पटना। स्थानीय कर भवन में मंगलवार शाम आयोजित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए वाणिज्यकर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि कर संग्रहण में विभाग की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। टैक्स कलेक्टर के साथ टैक्स फैसिलिटेटर भी बनें विभाग के अधिकारी।र

विजय चौधरी ने कहा कि वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारियों खासतौर पर क्षेत्रीय पदाधिपकारियों के प्रयासों से कर संग्रहण में सफलता मिली है। जब से जीएसटी लागू हुआ है तथा कर संग्रहण की व्यवस्था ऑनलाइन हुई है, उससे कर प्रशासन व्यवस्थित एवं सुविधाजनक हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कर संग्रहण में शिथिलता नहीं बरतें, बल्कि लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करें। कर संग्रहण का निर्धारित लक्ष्य टैक्स वसूली का कोई अधिकतम आंकड़ा नहीं है। अपने निर्धारित क्षेत्र की टैक्स संभाव्यता के मद्देनजर लक्ष्य से अधिक वसूली की जानी

चाहिए।

उन्होंने कहा कि सर्विस सेक्टर सहित कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कर संग्रहण की क्षमता अधिक है, जिन पर मुस्तैदी से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे व्यवसाय स्थलों पर हो रही व्यापारिक गतिविधियों की वास्तविक कर क्षमता का आकलन करने की आवश्यकता है ताकि टैक्स बेस (टैक्स बेस) में वृद्धि हो सके। यह प्रयास किया जा रहा है कि टैक्स संभाव्यता का वास्तविक आकलन करते हुए संभाव्यता के आधार पर कर संग्रहण का लक्ष्य तय किया जाय। वाणिज्यकर मंत्री ने कहा कि मूलतः दो प्रकार से कर चोरी होती है। वास्तविक करदेयता से कम टैक्स का भुगतान करना और करदेयता शून्य दिखाते हुए टैक्स की चोरी करना। दोनों प्रकार की कर चोरी को रोकना विभाग का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी टैक्स कलेक्टर के साथ-साथ टैक्स फैसिलिटेटर भी बनें। करदाताओं को उचित सम्मान दें और जान-बूझकर कर चोरी करने वाले लोगों से सख्ती से पेश आएं। जो अच्छे करदाता हैं, उन्हें उनके डोर स्टेप पर सुविधाएं उपलब्ध करायें। इससे कर प्रशासन के सुव्यवस्थित संचालन में मदद मिलती है। अधिकारियों को चाहिए कि वह अपने विभागीय दायित्व को सिर्फ निभाएं ही नहीं, बल्कि उसे पसंद बनाकर काम करें। इससे बेहतर परिणाम मिलते हैं। सरकार आपकी सुविधा एवं समुचित कार्य वातावरण को मुहैया कराने के लिए काम कर रही है परंतु बदले में आपको बेहतर परफॉर्मेंस देना है। उन्होंने कहा कि टैक्स आधारित विस्तार के लिए प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के हिसाब से अन्वेषण करने की जरूरत है।

बैठक के दौरान विभागीय सचिव एवं राज्यकर आयुक्त डॉ प्रतिमा द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह से लेकर सितंबर 2023 तक अंचलवार संग्रहण के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य दिए गए हैं एवं उसके अनुरूप कार्य किये जा रहे हैं। इसे और तेज करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में कर संग्रहण का लक्ष्य 39550 करोड़ रुपये निर्धारित है, जिसमें अप्रैल 2023 से सितंबर 2023 तक जीएसटी मद में 12687.84 करोड़ तथा गैर-जीएसटी मद में 4243.92 करोड़ रुपये सहित कुल 16931.76 करोड़ रुपये संग्रहित किए गए हैं। इस अवधि के दौरान 95.37 प्रतिशत कर संग्रहण किया गया है।

आरोप कांग्रेस के मन की बात पर सुशील मोदी ने कहा

कांग्रेस के चलते जदयू-राजद को झटका

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार में जातीय सर्वे करा लेने के बाद जदयू को लगा कि इससे नीतीश कुमार का कद बढ़ेगा और कांग्रेस वर्चस्व वाला आईएनडीए गठबंधन उन्हें पीएम प्रत्याशी मान लेगा लेकिन राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम लेकर शशि थरूर ने गुब्बारे की हवा निकाल दी।

सुशील मोदी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि विपक्ष में प्रधानमंत्री पद के लिए लड़ाई अभी से शुरू हो गई है और सीट शेयरिंग तक बात पहुंचने पर इनका कुनबा बिखर जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मुम्बई बैठक में सीट शेयरिंग पर जल्द निर्णय करने का फैसला हुआ था लेकिन हालत यह है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, सपा और आप कई सीटों पर एक-दूसरे के

खिलाफ लड़ रहे हैं।

मोदी ने कहा कि थरूर ने कांग्रेस के मन की बात कह दी, जिससे जदयू और राजद दोनों को बड़ा झटका लगा। न नीतीश कुमार केंद्र की राजनीति में जाएंगे और न बिहार में तेजस्वी यादव के लिए कुर्सी खाली करेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष की समन्वय समिति की 13 सितम्बर की दिल्ली बैठक के महीनेभर बाद भी न कोई बैठक हुई और न अगली तारीख तय हुई। जो तीन वर्किंग ग्रुप बने थे, उनकी बैठकें भी नहीं हुईं। मोदी ने कहा कि 14 सदस्यों वाली समन्वय समिति के लिए माकपा ने अभी तक अपना प्रतिनिधि तय नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एकतरफा फैसले से विपक्ष की जो भोपाल रैली स्थगित हुई, उसकी भी कोई अगली तारीख तय नहीं हो पायी। जो 24 विपक्षी दल 4 उच्चस्तरीय बैठकों के बाद न नेतृत्व तय कर सके और न सीट साझा करने पर सहमति बना पाये, वे केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के नकारात्मक मुद्दे पर देश का भरोसा नहीं जीत सकते।

राष्ट्रपति तीन दिवसीय बिहार दौरे के दौरान राज्य का चौथा कृषि रोडमैप 2023-28 करेंगी लांच

राज्य के दोनों केंद्रीय विवि. के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

पटना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 से 20 अक्टूबर के मध्य बिहार में तीन दिवसीय दौरे के दौरान पहले दिन पटना में राज्य का चौथा कृषि रोडमैप 2023-28 लांच करेंगी। यह कार्यक्रम पटना के बापू सभागार में होगा। बापू सभागार में 2000 किसान व 900 जीविका दीदी समेत 5000 लोग शामिल होंगे। राष्ट्रपति के पटना आगमन की तैयारी पूरी कर ली गई है। राष्ट्रपति बनने के बाद उनका यह पहला बिहार दौरा है।

जेपी गोलंबर से बापू सभागार तक कृषि प्रगति से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। इसी दिन राष्ट्रपति पटना साहिब तख्त

श्रीहरमंदिर में मत्था टेकने भी जाएंगी। इसके बाद 19 अक्टूबर को राष्ट्रपति मोतिहारी में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। इसी दिन शाम को पटना एम्स के दीक्षांत समारोह में भी वे हिस्सा लेंगी। तीसरे दिन 20 अक्टूबर को राष्ट्रपति पटना से गया जाएंगी। यहां वे दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद गया से ही राष्ट्रपति दिल्ली के लिए विशेष विमान से रवाना होंगी।

पखनहिया गांव : सड़क पर हल्की वर्षी मे पैदल चलना हुआ दुस्वार

रामगढ़वा। प्रखड़ के सकरार पंचायत के मूसारी गांव हसनपुरा गांव पखनहिया चौक के मुख्य सड़क सहित पश्चमी चम्पारण ब्लथर मार्ग मे जाने वाली सभी जगह पर हल्की बारिश होने से जल जमाव हो जाता है। इससे स्थानीय लोगों वह राहगीरो को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या लगभग सभी जगह पर बरकरार है।बता दे कि छोटा पखनहिया गांव में और भी विकट समस्या है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता राम प्रकाश रौशन व सत्तार खान ने बताया कि छोटा पखनहिया गांव के मुख्य सड़क से लेकर पखनहिया चौक तक पानी व कीचड़ से भरा रहता है। इन लोगों ने बताया कि पहले तो थोड़ा समस्या ठीक था लेकिन जबसे इस सड़क पर ईट का टुकड़ा गिराया गया है तब से परेशानी और बढ़ गया है। इन लोगों ने बताया कि गांव के मुख्य सड़क पर कितनी बार साइकिल व मोटरसाइकिल वाले के गिरने से हाथ पैर टूट गया है। इन लोगों ने यह भी बताया कि इस सड़क के लिए जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की उदासीन रवैया है। इनलोगो ने कहा कि अगर इस सड़क पर अधिकारियों जनप्रतिनिधियों का उदासीन रवैया है अगर इस समस्या का समाधान नहीं होगा तो हम लोग रोड जाम कर ब्लॉक का घेराव करेंगे। बता दे कि यह सड़क रामगढ़वा से मूसहरी सकरार, पखनहिया, होते हुए जैतापुर पंचायत होते हुए तिरुवाह को जोड़ता है। साथ ही यह सड़क पखनहिया चौक से पालनवा थाना, बजरंग चौक, बेलवा पिपरिया, पश्चिमी चंपारण का मासवास धुतहा मठ, कठिया मठिया होते हुए पश्चिमी चंपारण बलथर को जोड़ता है। साथ ही पखनहियां चौक से शिधपुर पालनवा, आन्नदीगंज, पुरेंदरा, भेलही होते हुए पड़ोसी देश नेपाल को भी जोड़ता है लेकिन इस सड़क पर आज तक किसी अधिकारी व विधायक- सांसद का ध्यान नहीं हुआ इसके चलते यह उपयोगी सड़क का दुर्दशा इस प्रकार है। बता दे कि वर्तमान भाजपा सांसद डा.संजय जयसवाल है जिनका केंद्र में सरकार है। वही विधायक राजद से शशिभूषण सिंह है। जिनका बिहार में महागठबंधन की सरकार है इसके बावजुद भी इस सड़क की यह दुर्दशा है। बता दे कि इस सड़क की दुर्दशा से इन क्षेत्र के ग्रामीणों मे अधिकारीयों और जनप्रतनिधियों के प्रति काफी आक्रोश है।

फिर हुई हत्या, कब्जे के खेल में पुलिस भी शामिल

गैंग्स ऑफ वासेपुर से कम नहीं गैंग्स ऑफ रघुनाथपुर, एक अधिवक्ता है सरगना

सागर सूरज

मोतिहारी। 'गैंग्स ऑफ रघुनाथपुर' के आतंक से इलाके के लोग तेजी से अपनी जमीन को बेच कर भागने की फिराक मे लगे है। लगातार लोगों की जमीन अपराधी कब्जा कर रहे है और विरोध करने पर हत्या तक की घटना का अंजाम दे रहे है।

मंगलवार की सुबह एक जमीन के कब्जे को लेकर दो अपराधिक गुट आमने- सामने हो गया, जिसमे एक गुट के रॉबिन साह को गोली मार दी गई, जिनकी मौत अस्पताल ले जाते वक्त ही हो गया। बताया गया कि बलुआ के सिन्हा जनरल स्टोर की जमीन थी जिसमें एक पक्ष कब्जा कर रहा था दूसरे पक्ष की ओर से अपराधी रॉबिन साह को कब्जे को बचाने की जिम्मेवारी थी। कब्जा करने वाला व्यक्ति भी दुर्दांत अपराधी बताया जाता है, जिसके कब्जे की सुपारी ली थी।

गत दो दिन पहले सदर अस्पताल के एक अवकाश प्राप्त चिकित्सक के घर मे भू माफियाओं ने ताला जड़ दिया। चिकित्सक की भूमि 100 वर्ष पुरानी थी, जिसमे से कई लोग चिकित्सक और उनके परिजनों से जामिनों की खरीददारी भी किए है। सहायक पुलिस अधीक्षक श्री राज ने ताला खोलने और प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। ताला जड़ने वालों का नाम भी पुलिस को दिया गया, क्योंकि आवेदन अज्ञात पर था।

पता चला उसी रात्रि अपराधी ताला तो खोल दिए लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी। रघुनाथपुर ओपी प्रभारी संदीप कुमार

की इन भूमि माफियाओं से मिली भगत से इनकार नहीं किया जा सकता। यही नहीं चिकित्सक पर दबाब बनाने के मद्देनजर पुलिस भू-माफियाओं से दलित उत्पीड़न का एक मुकदमा का आवेदन भी ले लिया गया और चिकित्सक के सभी सहयोगियों का नाम भी उक्त आवेदन में दे दिया गया ताकि चिकित्सक अपने आवेदन पर मुकदमा दर्ज करने का दबाब पुलिस पर नहीं बनाए।

बताया गया कि रघुनाथपुर मे वर्षों से अपराधियों के कई गैंग्स सक्रिये है । सुपारी किलिंग और जामिनों के कब्जे उनके आमदनी के मुख्य साधन है। ज्यादातर स्थानीय पुलिस से उनकी सांठ-गांठ रहती है और वे एक खेसटा बयनामा के आधार पर पहले दीवानी मुकदमा करते है फिर कब्जा ताकि पुलिस को दीवानी मुकदमा की बात कह कर बचने का मौका दिया जा सके।

स्थानीय लोगों पर भरोसा करें तो एक अधिवक्ता उपयुक्त दोनों ही मामलों मे इन भू- माफियाओं का सहयोगी होता है और तकरीबन हर मामलों मे वही अधिवक्ता अपराधियों के खेमे मे रहता है।

रॉबिन साह की हत्या और चिकित्सक वाले मामले मे भी खेसटा बयनमा का ही सहयोग लिया गया है, और बताया गया की उसी अधिवक्ता द्वारा ना केवल फर्जी खेसटा बयनामा बनाया गया है, बल्कि फर्जी मुकदमे भी लड़े जाते है।

अब सवाल ये है कि क्या स्थानीय पुलिस को इसकी भनक नहीं होती ? होती है, लेकिन भू –माफिया ऐसे मामलों मे मोटी रकम देते है, और पुलिस को जमीनी विवाद कह कर बचने का मौका मिलता है, लेकिन जब दोनों तरफ से ताना तानी होती है तो हत्या लाजिमी है। शरीफ लोग तो जान गवाने से बेहतर अपनी जमीन को छोड़ देने मे ही बहादुरी समझते है।

कामयाबी | **ओसामा अपराध के रास्ते पर अभी ठीक से चला भी नहीं की पुलिस ने शिकंजा कस लिया**

पूर्व बाहुबली सांसद शहाबुद्दीन के बेटा ओसामा सहाब कोटा से गिरफ्तार

मोतिहारी/पटना। बिहार के बाहुबली पूर्व सांसद रहे मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे सहित तीन युवकों को संदिग्ध पाए जाने पर कोटा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शहाबुद्दीन की गिरफ़्तारी के बाद बिहार मे एक कहावत काफी चर्चे मे है। कहावत है सर मुड़ाते ही ओले पड़े।

शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा अपने पिता के अपराध के रास्ते पर अभी ठीक से चले भी नहीं की पुलिस के हथे चढ़ गए।

ओसामा को समझना चाहिए की उनके पिता के ऊपर बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का हाँथ था और अब जब शहाबुद्दीन के सहयोग से लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी कई दसकों तक बिहार मे राज किए और जब उनका काम हो गया तो शहाबुद्दीन को दूध की मक्खी की तरह फेंक दिया ऐसे मे ओसामा के साथ क्या होगा।

हालांकि कोटा पुलिस ने इन्हें शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार किया है। लेकिन मामले मे गिरफ्तार दो लोग ओसामा शहाब और सलमान उर्फ सैफ के खिलाफ रंगदारी में जमीन मांगने, धमकाने और फायरिंग करने के मामले में बिहार के सिवान के हुसैनगंज थाने में 10 दिन पहले मुकदमा दर्ज हुआ था।

बिहार पुलिस ने कहा ये लोग बिहार से फरार हो गए थे। इन दोनों के अलावा उनके साथ एक अन्य युवक वसीम अकरम को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रामगंज मंडी थाना प्रभारी मनोज कुमार बेरवाल ने बताया कि कोटा से झालावाड़ की तरफ एक बिना नंबर की गाड़ी जा रही थी।

चुनाव के मद्देनजर थाना इलाके के उंडवा में नाकेबंदी कर वाहनों की चेकिंग चल रही थी। इस दौरान कार को रोका गया, जिसमें तीनों सवार थे। तीनों युवक संदिग्ध लगे, ऐसे में उन्हें थाने पर लाकर उनसे पूछताछ की गई। जिसमें उन्होंने बिहार से गोवा जाने की बात कही। हालांकि, तीनों को संदिग्ध लगने पर उन्हें शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपियों में बाहुबली सांसद रहे शहाबुद्दीन का बेटा ओसामा शहाब, सलमान उर्फ सैफ और वसीम अकरम शामिल है।

सनद रहे कि ओसामा के ऊपर मोतिहारी मे भी फायरिंग के मामले मे मुकदमा दर्ज है। मोतिहारी मे शहाबुद्दीन ने अपनी लड़की की शादी की है जहां शहाबुद्दीन के समधी को अपने भाई से जमीन का विवाद था, जिसको लेकर ओसामा पर आरोप है की ओसामा करीब 40 से 50 सहयोगी के साथ ना केवल मारपीट किए बल्कि फ़ायरिंग भी की। मामले मे ओसामा पर भी प्राथमिकी दर्ज है जो अभी अनुसंधान मे है।

नदी में डूबा था युवक, 35 घंटे बाद मिला शव

पताही। थाना क्षेत्र के पदुमकेर पंचायत के रंगपुर के शिवजी साहनी के 15 वर्षीय पुत्र अर्जुन कुमार रविवार को दोपहर 2 बजे बजे के करीब देवापुर बेलवा ललबेक्या बागमती नदी में डूबने के सूचना मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गया। युवक के डूबने की सूचना मिलते ही परिजन एवं ग्रामीण के द्वारा बागमती नदी पहुंचकर स्थानीय गोताखोर के मदद से काफी खोजबीन की गई। लेकिन शव का पता नहीं चल पाया। वहीं दूसरे दिन सोमवार को प्रशासनिक टीम एवं एनडीआरएफ की टीम पूरे दिन बागमती नदी में चक्कर लगाते रहे लेकिन शव कहीं नजर नहीं आया। शाम होने के बाद हार थाक कर एनडीआरएफ की टीम वापस चली गई।

श्रीबाबू ने आधुनिक बिहार की रखी नींव– गप्पु राय

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय, कांग्रेस आश्रम में मंगलवार को जिलाध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय के अध्यक्षता में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह के 136वीं जयंती के आयोजन समिति का बैठक सम्पन्न हुआ। मौके पर जिलाध्यक्ष श्री राय ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर साल यह कार्यक्रम 21 अक्टूबर को मनाया जाता था। इस बार महासप्तमी के मद्देनज़र 26 अक्टूबर को पटना स्थित मिलर हाई स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं।

पूर्वी चम्पारण जिला हमेशा से प्रदेश के कार्यक्रमों में आयोजक के रूप में रहा हैं और इस जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पूर्वी चम्पारण से कार्यकर्ता,पार्टी के नेता और लोग उपस्थित होंगे। कहा कि श्री कृष्ण सिंह ने आधुनिक बिहार की नींव रखी थी।

श्रीकृष्ण सिंह का जन्म 21 अक्टूबर, 1887 को बिहार के मुंगेर जिले में हुआ था। आज हम सभी उन्हें समाजिक न्याय के पुरोधा और आधुनिक बिहार के निर्माता के रूप में याद करते हैं। श्रीकृष्ण सिंह उर्फ श्री बाबू बिहार को आधुनिक बिहार का शिल्पकार कहा जाता है। दरअसल, श्री बाबू के दौर में ही बिहार में औद्योगिक क्रांति आई थी। बिहार की राजनीति में उनके तमाम ऐसे किस्से हैं, जो आज भी लोगों की जुबां पर रहते हैं। उन्होने सभी जिलावासियों से इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होने का अपील किया।

इस मौके पर कांग्रेस नेता विजयशंकर पाण्डेय, मुमताज अहमद, अखिलेश्वर प्रसाद यादव उर्फ भाई जी, रविन्द्र प्रताप सिंह,शैलेन्द्र कुमार सिंह,डॉ. ज्याउल हक, संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह,मुनमुन जयसवाल,जग्गा राम शास्त्री,डॉ. कुमकुम सिन्हा, बच्ची पाण्डेय,किरण कुशवाहा,बिन्टी शर्मा, आबिद हुसैन, ओसैदूर रहमान खान, डॉ. अफरोज आलम, किशोरी सहनी, दशरथ शाह रौनियार, दिग्विजय सिंह, मनिष तिवारी, मदन सिंह अरूण प्रकाश पाण्डेय, किशोर पाण्डेय, चन्द्र किशोर सिंह सहित अन्य नेता और प्रखंडों के अध्यक्ष शामिल रहें।

दुर्गा पूजा को लेकर पालनावा पुलिस ने की शांति समिति की बैठक

रामगढ़वा। दुर्गा पूजा को लेकर मंगलवार को फलनवा थाना परिसर में थाना अध्यक्ष ललन कुमार के नेतृत्व में पूजा समिति सदस्यों की एक आवश्यक बैठक की गई। जिसमें पूजा समिति सदस्यों को पूजा को लेकर जारी सरकार के दिशा निर्देश की जानकारी दी गई साथ ही कहा गया कि सरकारी निर्देशों की अवहेलना करने वाले पूजा समितियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि किसी भी पूजा पंडाल में डीजे के बजाने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी लाउडस्पीकर बजाने व किसी कार्यक्रम के आयोजन के एसडीओ से अनुमति लेना आवश्यक होगा। पूजा समिति के पदाधिकारी व सदस्यों को एक प्रपत्र भर कर व अपना फोटो लगाकर थाना कार्यालय में जमा करना होगा। ताकि उनके लिए थाना अध्यक्ष का हस्तरक्षित पहचान पत्र निर्गत किया जा सके।वही थाना अध्यक्ष ललन कुमार ने कहा कि मेला के

समय अगर शराब पियक्कड़ या अशांति फैलाने वाले पर कड़ी नजर रहेगी उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति इस तरह का दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। मौके पर पखनहिया मुखिया धीरज कुमार, सरपंच जितेंद्र शर्मा, अवधेश गिरी, कृष्ण रामप्रकाश रौशन गुप्ता, संजय पाण्डेय, अनिल गुप्ता, अमित शराफ, अफरोज खान, पुलिस पदाधिकारी उदय पासवान, बिनोद कुमार सहित सभी पुलिस कर्मी मौजूद थे।

एलएनडी कॉलेज का प्रो . नितेश ने किया निरीक्षण

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में मंगलवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के आदेश पर प्रो. नितेश कुमार, विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग एसएनएस कॉलेज, मोतिहारी द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने एकेडमिक ब्लॉक, बी एड ब्लॉक, निर्माणाधीन पीजी ब्लॉक, कार्यालय कक्ष, शिक्षक कक्ष, सभी वर्ग कक्ष, सभी प्रयोगशाला, पुस्तकालय, लैंग्वेज लैब, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, सभागार, जिम, क्रीड़ा मैदान इत्यादि का सूक्ष्मता पूर्वक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यहां न्यूनतम संसाधन में भी समय सारणी के अनुकूल विद्यार्थियों के कक्षा संचालन उनके अधिकतम हित की चिंता को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने यहां के सभी शिक्षकों को अपने काम के प्रति संजीदा देखकर प्राचार्य की प्रशासनिक सफलता बताया। उन्होंने भावी नैक मूल्यांकन के द्वितीय चक्र के लिए सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों को जी जान

से जुड़ जाने की सलाह दी।प्रो.नितेश कुमार ने यहां पदस्थापित सभी नियमित शिक्षकों, अंशकालीन अतिथि शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों की भौतिक उपस्थिति का अनुश्रवण करते हुए सभी का परिचय प्राप्त किया। उन्होंने भौतिकी, रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, मनोविज्ञान एवं भूगोल की क्रियाशील प्रयोगशाला को भी देखा। उन्होंने पुस्तकालय की भंडार पंजी एवं वितरण पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने यहां लेखा शाखा के सभी शीर्ष, उपशीर्ष में रोकड़ पंजी के अद्यतन होने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने इस महाविद्यालय में गणित, मनोविज्ञान एवं अंग्रेजी में शिक्षकों की यथाशीघ्र पदस्थापन के लिए विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों को अनुशंसा प्रेषित करने की बात कही। उक्त मौके पर प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. सर्वेश दूबे, प्रो.राकेश रंजन कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. रवि रंजन सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार, प्रो.दुर्गेश मणि तिवारी, प्रो.रामप्रवेश, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. स्वर्णा रानी, डॉ.प्रीति प्रिया, शिक्षकेतर कर्मचारियों की ओर से आलोक कुमार पांडेय, आशुतोष, मणिभूषण सहित अन्य उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर आकाश ने राज्यपाल से किया मुलाकात

बीएनएम@मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी कैम्पस हेतु अधिशेष भूमि का अधिग्रहण कराने, विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिशियन दिवंगत मुकेश तिवारी के मौत का उच्चस्तरीय जांच कराने साथ ही उनके परिजनों को मुआवजा देने और उनकी पत्नी को विश्वविद्यालय में स्थायी नौकरी देने तथा विश्वविद्यालय में हुई फर्जी नियुक्ति का सीबीआई या हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज के नेतृत्व में जाँच कराने की माँग को लेकर जन अधिकार छात्र परिषद के तिरहुत प्रमंडल अध्यक्ष आकाश कुमार सिंह ने बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से पटना स्थित राजभवन में मुलाकात की। श्री सिंह ने बताया कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना के सात वर्ष बाद भी स्थायी कैम्पस नहीं होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

ख्वाब फाउंडेशन ने डॉ कलाम साहब के जन्मदिन 'विद्यार्थी दिवस' पर किया विद्यार्थी सम्मेलन

बीएनएम@मोतीहारी। भारत के मिसाईल मैन भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 92वीं जयंती पर ख्वाब फाउंडेशन द्वारा इग्नाइटेड माइंड स्टूडेंट्स कांफ्रेंस -2023 का आयोजन किया गया।सम्मेलन का उद्घाटन हैप्पी स्कूल के छोटे छात्रों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद अखिलेश ठाकुर ने उपस्थित छात्रों को पढ़ाई के दम पर अपने नींव को मजबूत करने हेतु सलाह और प्रेरणा दिए।वही संस्था के चेयरमैन मुन्ना कुमार ने प्रतिभागियों को कलाम साहब के संघर्ष और सफलता से सीखने को सलाह दिए तो वही सफल होकर राष्ट्र-निर्माण में अपनी योगदान देने की बात कही।विशेष अतिथि के रूप में डॉ मुन्ना सिंह ने छात्रों को रुचि से पढ़ने की सलाह दिए और सफल होने हेतु टिप्स बताए। सम्मेलन में हैप्पी स्कूल के विद्यार्थियों में भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में सम्मान प्राप्त किए। जिला के करीब

100 प्रतिभावान छात्रों को इग्नाइटेड माइंड अवार्ड से सम्मानित किया गया जो अध्ययन के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नृत्य, भाषण, रूरल क्विज कांटेस्ट आदि के विजेता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लखौरा, नरकटिया, ढेकहां, पिपराकोठी, पकड़ीदयाल जैसे ग्रामीण क्षेत्रों छात्र और शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष नीतीश कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित कुशवाहा ने किया। सम्मेलन को सफल बनाने में सन्नी शेखर, आनंद कुमार, विक्की कुमार, धीरज कुमार चौधरी, निधि कुमारी, मनीषा जैसवाल, कंचन कुमारी, उज्ज्वल कुमार,इमरान अंसारी, दीपू कुमार, सुरेश कुमार, जीतन पासवान, चंदेश्वर मांझी, संध्या कुमारी, रंजीत पंडित आदि शामिल रहे।

दशहरा के मेले में सामाजिक तत्वों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर : थानाध्यक्ष

सभी पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाने का दिया गया निर्देश

बीएनएम@पताही

थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्गा पूजा को लेकर मंगलवार को थाना परिसर में थाना अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में शांतिपूर्ण ढंग से पर्व को मनाने का निर्देश दिया गया।

इस मौके पर उपस्थित पूजा समिति के सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों से थाना अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने अपील करते हुए कहा कि यह पर्व अमन चैन के साथ भाईचारे को कायम रखने का है। उन्होंने कहा कि डीजे पर भी विशेष रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। नवमी एवं दसमी के दिन ज्यादा भीड़ को देखते हुए सुरक्षा का चाक,चौबंद इंतजाम रहेगा। क्योंकि दसमी के दिन ज्यादा भीड़ रहती है। साथ ही किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नही देने तथा कोई भी सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही।इस दौरान हुड़दंग करने वालों एवं असामाजिक गतिविधियों पर पैनी नजर रहेगी। तथा सभी पंडालों मे सीसीटीवी कैमरा लगाने की बात कही गई हैं।

उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा मे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले मनचले लोगों पर सीधे कानूनी करवाई किया जायेगा। पुजा पंडाल मे अश्लिल गाने नहीं बजाने के लिये शख्त निर्देश दिया गया है। डी जे सीमित ध्वनि मे बजाना है। दशहारा का पर्व आपसी भाईचारा एवं सौहार्द वातावरण के साथ मनाया जाता है और एक समुदाय दूसरे समुदाय को सम्मानित करते है। मौके पर पताही प्रखंड क्षेत्र में आयोजित हो रही सभी पूजा पंडाल के सदस्य एवं कई जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी लोग उपस्थित थे।

BORDER NEWSMIRROR

Wednesday 18 October 2023

Editorial

कृषि क्षेत्र की चुनौतियां और समाधान

हमारे देश में कृषि क्षेत्र के सामने कई चुनौतियां हैं । एक ओर किसान के लिए कृषि को लाभदायक बनाने की चुनौती है तो दूसरी ओर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बचाने बढ़ाने की जरूरत है। मानव स्वास्थ्य का प्रश्न भी बहुत हद तक कृषि उत्पादों के जहर मुक्त होने पर निर्भर है। 140 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी तो है ही। इन सारी चुनौतियों को कुछ-कुछ निपटाने की क्षमता हो, ऐसी कृषि पद्धति की तलाश लंबे समय से रही है। हरित क्रांति के पहले, अन्न के संकट से देश दो-चार था। हरित क्रांति आई तो अपने साथ रासायनिक खाद और फसल की बीमारियों से लड़ने वाले जहर लेकर आई। इन रासायनिक छिड़कावों के बाद जहरीले तत्वों का कुछ प्रतिशत अनाज, फल और सब्जी में बचा रह जाता है। रासायनिक खाद मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को धीरे-धीरे घटाते जाते हैं और रासायनिक खाद की मात्रा की मांग बढ़ती जाति है। इससे कृषि की लागत बढ़ जाती है। हालांकि बाजार की व्यवस्थाएं भी इससे मिल कर खेती को लगातार कम लाभदायक बनाने में अपनी भूमिका निभाती हैं। किंतु मिट्टी की घटती उत्पादकता का क्या करें। इससे निपटना उपरोक्त सभी चुनौतियों के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। खेती को टिकाऊ बनाने के लिए इसका महत्व सबसे ज्यादा है। इन सब बातों को देखते हुए देश भर में अपने-अपने स्तर पर चिंतन और प्रयोग शुरू हुए। किसान, जो रासायनिक कृषि का आदी हो गया था उसे विश्वास में लेना और यह सिद्ध करना की गैर रासायनिक कृषि में उपज में कोई कमी नहीं आने वाली है, यह भी अपने आप में एक वाजिब चुनौती थी। इन हालात में जैविक कृषि, ऋषि खेती, जीरो बजट खेती, (जिसे बाद में प्राकृतिक खेती भी कहा जाने लगा) और लो एक्सटर्नल इनपुट सस्टेनेबल खेती आदि कई प्रयोग हुए। असल में इन सभी प्रयोगों की साझी समझ यह थी कि खेती में जहरीली रासायनिक खादों, रासायनिक कीटनाशकों, और घास मारने वाली दवाइयों का प्रयोग न किया जाए और उपज में भी कोई कमी न आए।

भारतीय कृषि व्यवस्था का कायाकल्प

डॉ. विपिन कुमार

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसने हमारे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृति और आध्यात्मिक प्रगति में एक महान भूमिका निभायी है। हम कृषि को एक उत्सव के रुप में मनाते हैं। हमारे किसान बंधुओं ने अपनी संस्कृति में वनों, पहाड़ों, नदियों, पशुधन, जीव-जंतुओं को एक दैवीय स्थान दिया है। क्या प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा का ऐसा अनुपम उदाहरण आपने कहीं देखा है? केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और सीजीआईएआर द्वारा हाल ही में 'अनुसंधान से प्रभाव तक : न्याय संगत और लचीली कृषि-खाद्य प्रणालियां' विषय में एक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया और इस दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी मंच साझा किया। इस सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी के कृषि-खाद्य प्रणालियों पर प्रभाव और इसमें लैंगिक असमानता से संबंधित चुनौतियों को उजागर करने का प्रयास किया गया। आज जलवायु परिवर्तन के कारण पूरे मानव जाति का अस्तित्व संकट में है। इस वजह से हमारा खाद्य उत्पादन भी बुरी तरह से बाधित हो रहा है। ऐसे में हमें कृषि-खाद्य प्रणालियों से संबंधित खतरों से निपटने के लिए इसके दुष्चक्र को तोड़ना ही होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज के समय में कृषि संबंधित गतिविधियों में महिलाओं की बेहद सक्रिय भागीदारी है। लेकिन हमने एक लंबे समय तक उन्हें निर्णय लेने वालों की भूमिका निभाने से वंचित रखा है। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में अन्य क्षेत्रों की तरह कृषि के क्षेत्र में भी नारी सशक्तिकरण को एक नया बल मिला है। प्रधानमंत्री मोदी यह भली-भांति समझते हैं कि यदि हमें कृषि के क्षेत्र में समावेशी विकास के लक्ष्य को हासिल करना है, तो हमें नारी सशक्तिकरण पर ध्यान देना ही होगा। इसके लिए भारत सरकार द्वारा महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन जैसे कई पहलों की शुरुआत की गई और इसका हमें बेहद सकारात्मक परिणाम देखने के लिए मिल रहा है। परंतु, स्वतंत्रता प्राप्ति के दशकों बाद भी किसानों को हमारे अर्थनीति में कोई विशेष महत्व नहीं दिया गया। उन्हें कृषि संबंधित संकटों से उबारने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह वास्तव में अत्यंत पीड़ादायक है। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों की इस पीड़ा को समझते हुए, कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई अतिरिक्त प्रयास किये, जिसका प्रतिफल आज पूरे देश में देखने के लिए मिल रहा है। चाहे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हो या प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का सुरक्षा कवच हो, चाहे 10 हजार नए एफपीओ बनाने का मामला हो या एक लाख करोड़ रुपये का एग्री इंफ्रा फंड स्थापित करने का मुद्दा हो, चाहे किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को 20 लाख करोड़ रुपये का ऋण बेहद आसानी से उपलब्ध कराने का विषय हो, चाहे पशु पालकों- मस्त्य पालकों को केसीसी से जोड़ने का प्रश्न हो, प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय कृषि व्यवस्था की कायापलट करने के लिए कई ऐतिहासिक प्रयास किये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे किसान बंधुओं के समग्र विकास के लिए 'बीज से बाजार तक' के दृष्टिकोण के साथ अपने कदम बढ़ाए हैं और उनके इस संकल्प को धरातल पर क्रियान्वित करने में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके लिए दोनों ही प्रशंसा के पात्र हैं।

(लेखक, वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

Today's **Opinion**

संकट के मित्र इजरायल का साथ देने का वक्त

आर.के. सिन्हा

चरमपंथी संगठन हमास ने इजरायल पर अचानक हमला करके जिस तरह का नृशंस भीषण कत्लेआम किया, उसकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से की गई त्वरित निंदा से यह साफ हो गया है कि भारत अब इजरायल से किसी प्रकार की दूरी बनाने के लिए तैयार नहीं है। हां, भारत की यह दिली चाहत है कि फिलिस्तीनी संकट का कोई स्थायी समाधान निकले। हमास के इजरायल पर बिना कारण अचानक हमले के बाद दुनिया के बहुत से देश इजरायल के साथ स्वाभाविक रूप से खड़े हो गए। भारत भी इजरायल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इजरायल भारत के सच्चे मित्र के रूप में संकट के समय लगातार सामने आता रहा है। यह बात अलग है कि फिलिस्तीन मसले पर इंदिरा गांधी के समय आजतक भारत आंखें मूंद कर अरब संसार के साथ खड़ा रहा। कश्मीर के सवाल पर अरब देशों ने सदैव पाकिस्तान का ही साथ दिया। लेकिन, इजरायल ने संकट के समय तो हमेशा भारत की हर तरह से मदद की। हमारे यहां के कुछ तत्व हमेशा इजरायल का खुलकर विरोध ही करते रहते हैं। उनमें वामपंथी मित्र सबसे आगे ही रहते हैं। वे भूल जाते हैं कि इजरायल हमारा संकट का मित्र है। वे युद्ध काल में भी हर पल हमारे साथ रहा है। इन सब तथ्यों की अनदेखी करते हुए हाल ही में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के छात्रों द्वारा फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किया गया। वर्तमान परिस्थितियों में यह भारत के राष्ट्रहित के खिलाफ ही कार्रवाई मानी जायेगी । इन छात्रों ने फिलिस्तीन के समर्थन में विरोध मार्च भी निकाला। एएमयू के छात्रों का कहना है कि जिस तरह इजरायल द्वारा फिलिस्तीन पर जुल्म किया जा रहा है, वह सही नहीं है। लेकिन, वास्तव में अभी तो कार्रवाई बिना वजह फिलिस्तीनी आतंकी गुट हमास द्वारा इजरायल के खिलाफ हो रही है । इन छात्रों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से बिना अनुमति लिए ही प्रदर्शन किया। ये भी अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान आतंकी संगठन हमास के कत्लेआम की कोई निंदा नहीं की। ये शर्मनाक भी है। इसे कहते हैं, "उल्टे चोर कोतवाल को डांटे।" बहरहाल, अगर हम भारत- इजरायल संबंधों के इतिहास को देखें तो पता चलता है कि भारत ने 17 सितम्बर 1950 को इजरायल को ही आधिकारिक तौर पर मान्यता प्रदान कर दी थी। वह सरदार पटेल का जमाना था । उसके बाद इजरायल के साथ भारत के 1992 में राजनयिक सम्बन्ध स्थापित हुए। वह भी तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने इजरायल के साथ कूटनीतिक सम्बन्ध शुरु करने को मंजूरी दी। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उसके बाद नई दिल्ली और तेल अवीव में दोनों देशों की एंबेसी भी स्थापित हुईं। इजरायल ने शुरू में राजधानी के बाराखंभा रोड पर स्थित गोपालदास टावर्स में अपनी एंबेसी स्थापित की थी। हालांकि कुछ सालों के बाद इजरायल ने लुटियंस दिल्ली के पृथ्वीराज रोड पर अपनी एंबेसी स्थापित कर ली। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्वकाल में इजरायल के साथ सम्बन्धों को नए आयाम तक पहुंचाने की ठोस कोशिशें भी की गईं। इजरायल तब भी भारत के साथ खड़ा था, जब उसे मदद की सर्वाधिक आवश्यकता थी। इजरायल ने 1965 और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाइयों के दौरान भी भारत को मदद दी। उसने 1965 और 1971 में भारत को गुप्त जानकारियां देकर मदद की थी। 1999 के करगिल युद्ध में इजरायल मदद के बाद भारत और इजरायल खासतौर पर करीब आए। तब इजरायल ने भारत को एरियल ड्रोन, लेसर गाइडेड बम, गोला बारूद और अन्य हथियारों की मदद दी, जबकि इसके लिये भारत को अमेरिका से भी मदद नहीं मिली थी । बेशक, पाकिस्तान के परमाणु बम ने दोनों देशों को नजदीक लाने में मदद की। इजरायल को यह स्वाभाविक डर रहा है कि कहीं यह परमाणु बम ईरान या किसी इस्लामी चरमपंथी संगठन के हाथ न लग जाए। भारत- इजरायल संबंधों को मजबूती कृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग से भी मिलती है। दोनों देशों की सरकारें कृषि सहयोग में विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ती द्विपक्षीय साझेदारी की पुष्टि करते हुए द्विपक्षीय संबंधों में कृषि और जल क्षेत्रों की प्रमुखता को मान्यता दी गई है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं पारिवारिक समाज का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है1 वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है।

स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है।

महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है.

उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। ।

ख्वाब में हकीकत

ममता सिंह राठौर, कानपुर

सपने जो हम सोते हुए देखते हैं, उनके बारे में आप लोगो की क्या राय है? बताइगा। वैसे मेरी भी समझ में कुछ ज्यादा नहीं है, हां पर यह लगता है कि जो मन में चल रहा होता है वो देखते हैं, फिर कभी बिल्कुल विचित्र सपने होते हैं। खैर, आज हम आप को आज के सपने में देखी हुई घटना का ही विवरण दे रही हूं जो बिल्कुल सच है।

हुआ यूं की आज दोपहर मैं जब सोई तो इस सपने ने ही जगा दिया, तो मन थोड़ी देर तक सोचता रहा फिर हँसी भी आ गई तो सोचा चलो आप लोगों को भी जगाते हैं, हँसाते हैं। अच्छा आज समय का जो दौर है उसके साथ सब लोग क्या चल पा रहे? हां पर कुछ लोग दौड़ रहें है कुछ लोग छलांग लगा र हे हैं, पर कुछ लोग बेचैन भी हैं और सोचते हैं कि हमारी भारत भूमि जहां सत्यवादी हरिश्चंद्र, राजा दशरथ, जैसे लोग हुए हैं बल्कि आज भी किसी विद्यालय में झूठ का समर्थन नहीं होता। सामने से, बाकी आप सब की राय,पर अब आप चलते फिरते देखो कैसे -कैसे लोग, एक छोटी सी बात मन में घूम रही थी।

हुआ यूं की किसी से मेरी यूं ही रास्ते में मुलाकात हुई, नमस्ते की, हमने तो वो खड़ी हो गई बात करती रहीं । मेरे सच्चे लेखन की जिससे वो बहुत प्रभावित हैं, ऐसा बताया उन्होंने, तभी मेरी नजर उनके हाथ में दूध की बाल्टी पर पड़ी तो हमने पूछ लिया कितने में देते हैं दूध? तो जवाब देखिए- हमने पूछा ही नहीं कितने में देता है हम तो जो बिल देता है बस दे देती हूं.... हिहिही। हमें भी हँसी आ गई,अच्छा जी राम राम।

अब अगली कथा जिसने हमें जगा दिया वो यह की सपने में सजी संवरी आठ -दस औरतें दिखीं तो हमने पूछा- आज करवा चौथ है क्या? तो सब की सब देखी होंठ तो हिलाईं पर जवाब नहीं दिया। हमने फिर पूछा तो फिर वही अभिनय की और एक ने कहा हां है करवा चौथ,तभी हमने कुछ सोचते हुए कहा अच्छा पर हमने तो नवरात्रि का व्रत किया है यह मार्च का महीना है करवा चौथ तो अक्तूबर के महीने में होता है। इसके आगे जो बोल कर मेरी आँख खुल गई वो यह कि जो तुम लोग लिपी पुती बैठी हो, बिल्कुल टी वी सीरियल की सास -बहू साजिश, और-सीखो और घर फोड़ो। मंथरा हो पूरी की पूरी। यह सब मेरे सपने में घटी घटना है ।कोई व्यक्तिगत न ले। वैसे सुंदर यह है कि सब हरी साड़ी में सुहागिनी देवियां दिखीं।

हनुमान मुक्त

व्यंग्य: दीनू की किस्मत

खुशी में समय कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। रामखिलावन उर्फ आर के साहब का समय भी बहुत अच्छे ढंग से गुजर रहा था। आजकल उनकी गिनती अच्छे अफसरों में होने लगी थी। अपनी अफसर बिरादरी में उनकी अच्छी पोजीशन थी। अच्छे खासे परिवार में उनकी शादी हो गई। वे पापा भी बन गए। सात साल का उनके एक बेटा है।

सिंह साहब जैसे गुरु के मार्गदर्शन और अपनी कार्यशैली से उनके पास अपना मकान और बैंक बैलेंस भी बन गया है। उनकी ही जाति बिरादरी का एक युवक है दीनदयाल।

अपने बूते अनुसार पढ़ने लिखने के बावजूद, काफी कोशिश करने के बाद भी जब किसी सरकारी महकमे में अपनी जगह ढूंढने में वह नाकामयाब रहा तो उसने असर-कारी स्कूल में देश का भविष्य निर्माता बनाने का कार्य शुरू कर दिया। असर-कारी स्कूल मास्टर की तनख्वाह असर-दायक नहीं होने से दीनदयाल स्कूल समय से पहले और बाद में होम ट्यूशन कर अपना गुजारा करने लगा।

घर में उसकी मां के सिवाय कोई नहीं था। पिता का देहांत बहुत पहले बचपन में ही हो चुका था। दीनदयाल की उम्र तीस साल के पार हो गई लेकिन क्या मजाल जो कोई नवयौवना का पिता अपनी पुत्री का हाथ उनके हाथों में देने का मानस बनाता। बेचारा दीनदयाल इधर-उधर ताक-झांक कर अपना काम चला रहा था। ताकते-झांकते उसकी आंखों को भी अब शर्म आने लगी थी। पर बेचारा क्या करता?

यार, दोस्त जब अपने बीवी बच्चों के साथ हंसते बतियाते निकलते तो उसके दिल पर सांप लोट जाता। मन ही मन उसे अपनी किस्मत पर रोना आता। इसी मोहल्ले का होने के कारण सब उसे दीनू ही कह कर पुकारते। प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के कारण अब वह दीनू से दीनू मास्साब बन चुका था। दीनू का पढ़ाने लिखाने में मन कितना लगता। यह तो नहीं पता लेकिन उसके द्वारा घर पर पढ़ने वाले बच्चे और उनके मां-बाप उससे बहुत प्यार करते। वह भी घर पर बच्चों को पढ़ाने के अलावा सब कुछ करता। बच्चों को पढ़ाई का सामान लाने से लेकर, घर का सामान लाने में भी वह कोई कोताही नहीं बरतता। जैसे तैसे दीनू अपना गुजर-बसर कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह आर के सर के यहां भी उनके नौनिहाल को घर पर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करने लगा था। अन्य ट्यूशन वालों के घर पर वह एक घंटे से अधिक समय खराब नहीं करता लेकिन आरके साहब की लोकप्रियता और कार्यशैली से प्रभावित होकर वहां वह दो घंटे तक खराब करने में कोताही नहीं बरतता।

उसका मानना था कि यह इन्वेस्टमेंट है जिसका फल उसे भविष्य में अवश्य मिलेगा। दीनू यहां साहब और साहिबा के पर्सनल कामों को भी पूरी मुस्तैदी से मन लगाकर पूरा करता। आरके साहब, साहिबा और उनका नौनिहाल दीनू की कर्तव्य निष्ठा, वफादारी और मेहनत से खुश थे। साहब को दीनू की दयनीय दशा पर काफी दया आती, जिसे दीनू अच्छी तरह जानता था। अपनी दयनीय दशा को अच्छी दशा में बदलने के लिए वह मनोरथ सिद्ध वृक्ष पर जाकर मनोकामना का धागा भी बांध आया था। मनोरथ सिद्ध वृक्ष की कृपा उस पर आई या उसकी मेहनत, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी ने अपना रंग दिखाया कि एक दिन शाम को साहब, दीनू पर कुछ अधिक मेहरबान नजर आए। उन्होंने दीनू को एक अखबार थमाते हुए कहा, दीनू! इस अखबार में हमारे महकमे में बाबू की जगह के लिए विज्ञप्ति छपी है। तुम फॉर्म भर दो। दीनू ने अखबार को इधर-उधर पलटा। बोला,साहब इस नाम का अखबार तो आज पहली बार देखा है । सुनकर साहब के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान उभर आई। बोले, जब यह बाजार में आएगा ही नहीं तो तुम देखोगे कैसे? इसका प्रसारण हम जैसे कुछ एक अधिकारियों तक ही सीमित है। तुम्हें आम खाने हैं या पेड़ गिनने। जैसा कहा है, वैसा करो। कल शाम तक फॉर्म तैयार कर दे जाना। अत्यंत गोपनीय काम है। किसी से कुछ कहना मत। दीनू को आम खाने थे। साहब के यहां ट्यूशन के काम को और भी निष्ठा से करने का मन ही मन निर्णय किया। साथ ही साहब के निर्देशानुसार अपना भविष्य संवारने का भी। उनके कहे अनुसार फॉर्म तैयार कर गोपनीय ढंग से साहब को दे आया।

कुछ दिनों बाद साहब ने परीक्षा में बैठने का बुलावा पत्र दीनू को थमा दिया और कुछ गोपनीय निर्देशों के साथ ठीक समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंचने का आदेश भी। दीनू ने साहब के आदेशों की अक्षरशः पालना की। सभी काम ठीक-ठाक ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुंजी ,पेपर मिलने के आधे घंटे बाद ही दीनू के पास पहुंच गई और दीनू परीक्षा में पास हो गया। अब आ गई टाइप टेस्ट की बारी। परीक्षा तो टीप टाप कर पास कर ली लेकिन अब टाइप टेस्ट कैसे पास करेगा दीनू। उसे तो टाइप करने की एबीसीडी तक नहीं आती फिर वह टाइप की स्पीड में कैसे पास होगा। मन ही मन वह सोच रहा था।अपना संशय उसने साहब के समक्ष रखा।

साहब ने उसे मस्त रहने को कहा। आर के साहब अब खुद अलादीन के चिराग बन चुके थे। जिनके पास हर समस्या का हल था। पी टीआई सिंह साहब का उन पर पूरा असर था। सिंह साहब की उन पर पूरी कृपा दृष्टि थी ।वे अपने गुरु सिंह साहब से पूरा गुरु ज्ञान ले चुके थे। उन्होंने टाइप टेस्ट वाले दिन दीनू को दिन भर उनके घर पर ही रहने का निर्देश दे दिया कि वह आज घर से बिल्कुल ना निकले। अपने स्कूल से भी आज की छुट्टी ले ले। दीनू, साहब के गोरखधंधे के बारे में सोचता उससे पहले ही उसके दिमाग में पेड़ गिनने के बेवकूफी भरे प्रयास की बजाय आम खाने का विचार आ जाता। उसे आम खाने थे।वह सब कुछ साहब के निर्देशानुसार कर रहा था। टाइप टेस्ट के दिन, दिन भर साहब के घर पर ही रहा ।जो घर का काम वह कर सकता था।उसने पूरी कर्मठता से किया। शाम को उसे छुट्टी मिल गई। टाइप टेस्ट हो गया।कुछ दिनों बाद परीक्षा परिणाम आ गया। दीनू बिना टाइप टेस्ट में बैठे ही टाइप टेस्ट में अच्छे अंको से पास हो गया।बाद में पता चला कि उसकी टाइप टेस्ट की परीक्षा साहब के ऑफिस में काम करने वाले टाइपिस्ट ने दी थी। भगवान ने दीनू की सुन ली। अब वह आर के साहब के ऑफिस में ही सरकारी बाबू बन गया।

मुक्तायन, 93, कांति नगर
मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी,
सवाई माधोपुर (राजस्थान)

नमिता गुप्ता मनसी

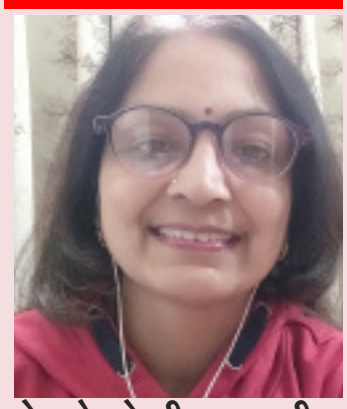

हो सके तो सीखना कभी..

पेड़ों से..बीजों के अंकुरन की भाषा,
चिडियों से..घोंसला बुने जाने की भाषा,
पतंगों से..हवाओं की भाषा,
बादलों से..बारिश की भाषा,
बूंदों से..पानी की भाषा,
नदियों से..अनवरत बहने की भाषा,
तारों से.. आकाश की भाषा,
सूरज से..धूप की भाषा,
चांद से..चमकने की भाषा!!

नवजात से.. किलकारी की भाषा,
चित्रकार से..रंगों की भाषा,
स्त्री से.. उसके दर्द की भाषा
प्रौढ़ से..जीवन की भाषा
प्रेम से..मौन की भाषा,
और
जीवन से..उसके होने की भाषा!

सुनों..
समाहित हैं ये सभी भाषाएं सदियों से
कवियों की कविताओं में!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

पेट दर्द से लेकर माइग्रेन के दर्द तक, ये हैं हींग के कमाल

भारतीय खानों में हींग का उपयोग खूब किया जाता है। इसका स्वाद ज़रा तेज़ ज़रूर होता है, लेकिन इसके फायदे अनगिनत हैं। खाने में इसे मिलाने से पाचन आसान होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हींग पाचन दुरुस्त करने के अलावा भी कई काम करता है। यह पेट में गैस से लेकर गंभीर माइग्रेन और यहां तक कि कीड़े के काटने का भी इलाज कर देता है।

बच्चों में गैस की समस्या का समाधान करता है

शिशुओं में गैस की समस्या को कम करने के लिए इससे अच्छा उपाय और कोई नहीं है। इस जांचे और परखे उपाय को सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक से दो चम्मच गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग डालें और फिर बच्चे की नाभी के आसपास उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे छोटे बच्चों में गैस की समस्या तुरंत ठीक हो जाती है।

सांस से जुड़ी तकलीफों के इलाज के लिए

हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण होते हैं। इसलिए इसका उपयोग अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, सूखी खांसी और ज़ुकाम को ठीक करने के लिए किया जा सकता है। तुरंत आराम पाने के लिए आधा चमच हींग पाउडर और सोंठ में दो चम्मच शहद मिला लें। दो से तीन दिन तक इस मिक्सचर को खाएं, तो आपको सांस की तकलीफों से जल्द आराम मिल जाएगा।

दांत दर्द में तुरंत आराम

जिस दांत में दर्द है, वहां और आसपास के मसूड़ों पर चुटकी भर हींग लगा लें। दर्द में राहत पाने के लिए दिन में इस उपाय को 2 से 3 बार करें।

कान दर्द में फायदेमंद

सर्दी के मौसम में ठंड लग जाने से कान में दर्द कई बार हो जाता है। ऐसे में इयर ड्रोप्स के अलावा आप घरेलू उपचार पर कर सकते हैं। हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण पाए जाते हैं, जो कान के दर्द में आराम देने का काम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो चम्मच नारियल के तेल में चुटकी भर हींग डालकर हल्की आंच पर गर्म कर लें। जब ये गुनगना हो तब इसकी कुछ बूंदें अपने कान में डालें। इससे आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सिर दर्द में आराम

सिर दर्द जब परेशान कर रहा हो, तो आप हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए

हल्की आंच पर पैन रखें और उसमें एक से दो कप पानी गर्म कर लें। अब इसमें चुटकी भर हींग डालें और 10-15 मिनट के लिए गर्म होने दें। जब पानी की मात्रा थोड़ी कम हो जाए, तो गैस को बंद कर दें।

तेज़ सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दिनभर इस पानी को पिएं। इसके अलावा आप हींग में गुलाब जल मिलाकर इसका पेस्ट भी तैयार कर सकते हैं और फिर इसे माथे पर लगा सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

कीड़े या सांप के काटने पर

हींग सिर्फ खाने में ही हेल्दी नहीं होती, बल्कि कीड़ों या फिर सांप के काटने का भी इलाज कर सकती है। दादी मां के निस्खों के अनुसार, हींग के पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ज़खम पर लगा लें और सूखने दें। जब सूख जाए, तो निकाल दें।

चाय की लत आपको बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे चाय पीना पसंद न हो। चाय देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी पसंद किया जाने वाला पेय पदार्थ है। चाय की इसी लोकप्रियता के चलते दुनियाभर में कई प्रकार की चाय प्रचलित है। हमारा मूड रीफ्रेश करने के साथ ही चाय हमारी सेहत को कई तरह के फायदे भी पहुंचाती है। वहीं, सर्दियों के मौसम में तो लोग भारी मात्रा में इसका सेवन करना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की लत कई बार आपके लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है।

दरअसल, ज्यादा मात्रा में चाय पीने से आप हड्डियों की खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकती है। स्केलेटल फ्लोरोसिस नामक यह बीमारी आपकी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना सकती है। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज जानेंगे इसके अधिक सेवन से होने वाली इस बीमारी के बारे में-

क़्या है स्केलेटल फ्लोरोसिस

स्केलेटल फ्लोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जो अंदर ही अंदर हमारी हड्डियों को खोखला कर देती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को गठिया यानी अर्थराइटिस जैसा दर्द महसूस होता है। ये बीमारी खासतौर पर हड्डियों में दर्द पैदा करती है। इस बीमारी के होने पर कमर दर्द,हाथ-पैरों में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है।

चाय से हो सकता है स्केलेटल फ्लोरोसिस

अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या दिन में लगातार चाय का सेवन कर रहे हैं, तो इससे स्केलेटल फ्लोरोसिस का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, चाय में मौजूद फ्लोराइड मिनरल हड्डियों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। ऐसे में शरीर के अंदर फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में स्केलेटल फ्लोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही चाय शरीर को कैल्शियम सोखने से भी रोकता है, जिसकी वजह से इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण

पेट भारी रहना
घुटनों के आसपास सूजन
झुकने या बैठने में परेशानी
दांतों में अत्यधिक पीलापन
कंधे, हाथ और पैर के जोड़ों में दर्द
कम उम्र में बुढ़ापे का लक्षण नजर आना
हाथ-पैर का आगे या पीछे की ओर मुड़ जाना
पांव का बाहर या अंदर की ओर धनुषाकार हो जाना

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित

चाय के अधिक सेवन से सिर्फ स्केलेटल फ्लोरोसिस ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय पीने से अल्सर, हाइपर एसिडिटी, घबराहट, मलती जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप सीमित मात्रा में चाय का सेवन करें। दिन में तीन कप चाय का सेवन सेहत के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन अगर आप रोजाना तीन कप से ज्यादा चाय पी रहे हैं, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

थायराइड बढ़ने पर शरीर में हो सकती हैं ये 5 परेशानियां

गले में पाई जाने वाली थायराइड ग्रंथि सामान्य कार्य करना बंद कर देती है, तब थायराइड की समस्या आती है। थायराइड होने से शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। थायराइड हार्मोन शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाने में मददगार है।

कई बार थायराइड होने पर ये बढ़ता रहता है। ऐसे में शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। सही लाइफस्टाइल, संतुलित आहार और दवाइयों के सेवन से थायराइड को ठीक होने में मदद मिलती हैं। थायराइड बढ़ने पर ये 5 तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

इनफर्टिलिटी

थायराइड की समस्या होने इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। कई बार महिलाओं में थायराइड होने पर ओवरीज में सस्टि बन जाता है। जिसकी वजह से इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। महिलाओं में अगर समय पर थायराइड का इलाज न किया जाएं, तो इनफर्टिलिटी की समस्या ज्यादा बढ़ सकती हैं।

स्किन डिसऑर्डर

शरीर में थायराइड की ग्रंथि बढ़ने पर स्किन डिसऑर्डर जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार थायराइड बढ़ने पर स्किन पर पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती हैं। थायराइड रहने से स्किन पर रूखेपन की समस्या भी ज्यादा देखने को मिल सकती है।

अनियमित पीरियड्स

थायराइड बढ़ने पर कई बार अनियमित पीरियड्स की समस्या भी बढ़ सकती है। कई बार पीरियड्स का फ्लो ज्यादा या धीमा भी हो सकता हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए थायराइड को कंट्रोल करने की कोशिश करें। पीरियड्स की डेट आगे-पीछे भी हो सकती हैं।

वजन बढ़ना

थायराइड की समस्या बढ़ने पर वजन बढ़ने की परेशानी भी हो सकती हैं। ऐसे में सही मात्रा में डाइट और दवाइयों के सेवन से थायराइड को कंट्रोल किया जा सकता है। थायराइड का स्तर बढ़ने से भूख काफी बढ़ जाती है। जिससे वजन बढ़ता है।

कमजोरी लगना

थायराइड की परेशानी बढ़ने पर शरीर में कमजोरी हो सकती है। कई बार पैरों से सुन्न हो जाने की समस्या भी देखने को मिल सकती है। कई बार थायराइड बढ़ जाने पर शरीर में दर्द और ऐंठन का अनुभव भी हो सकता है।

थायराइड की समस्या होने पर ऊपर बताई गई परेशानियां हो सकती हैं। अगर आपको भी ये बीमारी हैं, तो डॉक्टर से पूछ कर ही दवाइयों का सेवन करें।

BNM Fantasy

Wednesday
18 October 2023

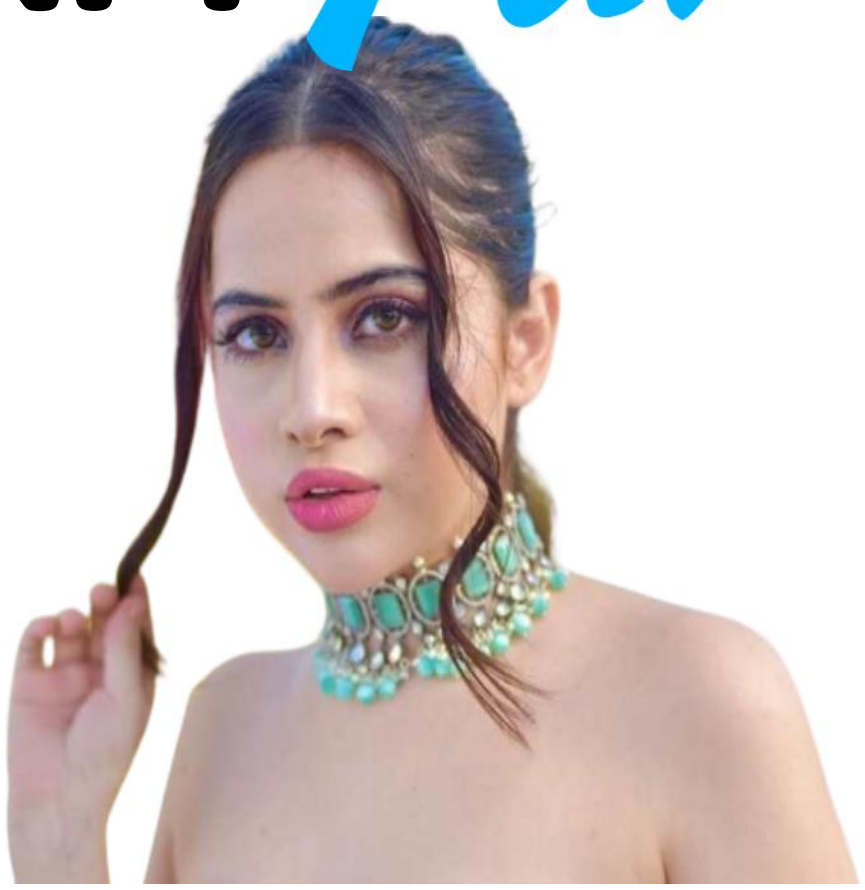

उर्फी जावेद की गर्दन पर लगी चोट

अलग-अलग तरह के फैशन का जलवा बिखरने वाली उर्फी जावेद कई बार अपने ही फैशन से खुद को काफी नुकसान भी पहुंचाती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। मंगलवार को एक्ट्रेस का नया वीडियो सामने आया, जिसमें वह योलो कलर के आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस के गर्दन पर चोट भी नजर आई। अपने लुक्स से हर बार फैंस को हैरान करती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। मंगलवार को उर्फी जावेद मुंबई में स्पॉट हुईं। इस दौरान येलो कलर की अजीबो-गरीब ड्रेस में नजर आई। हमेशा की तरह लोगों का उनकी ड्रेस पर पहले ध्यान गया, लेकिन फिर नजर गई उनकी गर्दन पर। वीडियो को देखकर कहा जा सकता है कि उर्फी के साथ कुछ तो घटना घटी है।

रा

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान रा को

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को मिला। एक्ट्रेस ने अपने 11 साल के फिल्मी करियर में ये पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है जिसके लिए वह बेहद खुश है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर की है। मंगलवार यानी 17 अक्टूबर को 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का आगाज हुआ। इस समारोह में बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों ने शिरकत की। बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को मिला। एक्ट्रेस ने अपने 11 साल के फिल्मी करियर में ये पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है, जिसके लिए वह बेहद खुश है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर की है।बता दें, इस पोस्ट में एक्ट्रेस अपनी शादी वाली साड़ी का जिक्र कर रही हैं। इस खास दिन पर उन्होंने अपनी शादी वाली साड़ी को पहना। जो उनके लिए बेहद खास रही। हमेशा की तरह इस बार भी आलिया साड़ी में खूबसूरत नजर आई।आलिया की इस जीत पर सास नीतू कपूर ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर आलिया का वीडियो शेयर किया है।, जिसके कैप्शन में लिखा- मुझे तुम पर बहुत-बहुत गर्व है...भगवान तुम्हें यूं ही आशीर्वाद दें।

दीपिका पादुकोण की 'फाइटर' का नया पोस्टर आया सामने

डायरेक्टर ने बताया कब होगी रिलीज !

दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन जल्द डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर में नजर आएंगे। मंगलवार को डायरेक्टर ने नया पोस्टर शेयर कर बताया है कि ये फिल्म कब आ रही हैं। दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर (Fighter) काफी समय से चर्चा में है। पिछले दो सालों से इस मूवी की चर्चा हो रही है। पर्दे पर दोनों को एक साथ देखने के लिए फैंस काफी इंतजार कर रहे हैं। हाल ही मूवी का मोशन पोस्टर रिलीज हुआ था। वहीं मंगलवार को डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने नया पोस्टर शेयर कर बताया है कि ये फिल्म कब आ रही हैं। जाने-माने डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने अपनी फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में 100 डेज टू फाइटर और कैप्शन में लिखा- फाइटर 100 दिन में आ रही है। फाइटर साल 2024 में जनवरी में थिएटर्स में रिलीज की तैयारी कर रही है। पोस्टर और फिल्म की रिलीज जानकारी को लेकर देखकर फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- इसे लॉन्च करने का इंतजार है। यह महाकाव्य और अविश्वसनीय होगा। दूसरे ने लिखा- मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ का कारोबार करेगी। तीसरे ने लिखा- टीजर कब आएगा सर? देखने के लिए इंतजार नही कर सकता।सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। इनके अलावा करण सिंह ग्रोवर और तलत अजीज भी अहम किरदार में नजर आएंगे। ये फिल्म एरियल एक्शन से है। कहा जा रहा है कि ये फिल्म 250 करोड़ के बजट में बनकर तैयार है।